

GOVT. RAJKUMAR DHIRAJ SINGH COLLEGE UDAIPUR, SURGUJA

(C.G.)

PROGRAMME OUTCOMES OF B.A., B.Sc. and B.Com.

After the completion of three years programme in Bachelor of Arts, Bachelor of Science and Bachelor of Commerce, the students could be able to gain:

Community Engagement and Global Understanding:

- The students could understand cultural, historical, geographical, political, linguistic, economic and environmental forces that shape the world and recognize the role of them for bringing effective change in between. This includes the ability to:
 1. Reflect on one's cultural identities and values.
 2. Demonstrate intercultural awareness and competence.
 3. Recognize and appreciate the real-world context of knowledge.
 4. Promote active citizenship and community engagement

Critical and Creative Thinking

- The students could learn to analyze and critically reflect on complex problems incorporating multiple perspectives and innovative thinking.
- This includes the ability to:
 1. Analyze, synthesize and integrate knowledge.
 2. Critically evaluate the validity of arguments and conclusions - Practice creative thinking and expression.
 3. Demonstrate the capacity to argue in innovative directions

Literacy and Communication

- The students could demonstrate the ability to extract and convey information accurately in a variety of formats. This includes the ability to:
 1. Identify, locate, comprehend, and critically evaluate quantitative and qualitative information using visual, numerical, oral, aural, and textual sources.
 2. Communicate concepts and information clearly and in various formats (oral, visual, written, etc.).
 3. Engage effectively with audiences from different backgrounds

Evaluate and Problem solving

- The students could engage in scholarly inquiry to identify and investigate questions of a theoretical and/or applied nature. This includes the ability to:



[Signature]
I.Q.A.C. IN CHARGE
Govt. Rajkumar Dhiraj Singh College
Udaipur Dist.-Surguja(C.G.)

1. Identify gaps and limitations in the existing literature ii. Understand the principles of the problem solving.
2. Apply appropriate problem solving methodologies to specific problems.
3. Develop intellectual independence and practice self-directed inquiry.

Depth and Breadth of Understanding

- The students could gain detailed knowledge in one or more disciplines and integrate knowledge and perspectives across disciplinary boundaries. This includes the ability to:
 1. Develop a detailed understanding of the current state of knowledge in one or more disciplines.
 2. Recognize the value, use and limits of multi disciplinary learning -Cultivate an openness to consider and engage alternative research perspectives

Professional Development and Ethical Behavior

- The students could learn personal integrity and professional behavior in scholarly endeavors and in collaborating with others within and beyond the academic community. This includes the ability to:
 1. Demonstrate intellectual integrity and academic accountability.
 2. Collaborate respectfully with others, individually and in teams.
 3. Show leadership in professional environments while recognizing diversity.
 4. Manage time effectively and ensure personal organization.



[Signature]
I.Q.A.C. INCHARGE
 Govt. College
 Udaipur Dist., Sarguja (C.G.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|--|---|--|
| बी.ए./बी. एस.-सी. /बी.कॉम भाग- एक | <p>आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा (पेपर कोड-0101)</p> <p>इकाई-1 (क) पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद एव पारिभाषित शब्दावली एवं हिन्दी में पदनाम</p> <p>इकाई-1 (ख) ईदगाह (कहानी)-मुंशी प्रेमचंद</p> <p>इकाई-2 (क) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्द ज्ञान- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनुकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द एवं मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ</p> <p>इकाई-2 (ख) भारत वंदना (कविता) -सूर्यकांत त्रिपाठी निराला</p> <p>इकाई-3 (क) देवनागरी लिपि -नामकरण, स्वरूप एवं देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिन्दी अपठित गद्यांश, संक्षेपण, हिन्दी में संक्षिप्तीकरण</p> <p>इकाई-3 (ख) भोलाराम का जीव (व्यंग्य)-हरिशंकर परसाई</p> <p>इकाई-4 (क) कम्प्यूटर का परिचय एवं कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग</p> <p>इकाई-4 (ख) शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र</p> <p>इकाई-5 (क) मानक हिन्दी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक भाषा</p> <p>इकाई-5 (ख) सामाजिक गतिशीलता- प्राचीनकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल।</p> | <p>बी.ए./बी.एस.-सी./बी. कॉम. भाग- एक आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा के पाठ्यविषय में निहित व्याकरणिक खण्ड के अध्ययन से छात्रों को व्याकरण का बुनियादी ज्ञान, सम्प्रेषण भण्डार में वृद्धि भाषागत अशुद्धियों का निराकरण, लिपि के इतिहास का ज्ञान, लिपि में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, कम्प्यूटर ज्ञान तथा मानक भाषा का ज्ञान प्राप्त होगा।</p> <p>पाठ्यक्रम में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्रों को बालमनोविज्ञान का परिचय तथा मानव-मूल्यों का ज्ञान प्राप्त होगा साथ ही उनमें प्रेम एवं कर्तव्यनिष्ठता जैसे गुणों का विकास, काव्य के सौन्दर्य का रसास्वादन, देशभक्ति की भावना का विकास, समाज में हो रहे भ्रष्टाचार की समस्या तथा उससे उत्पन्न विकृतियों के प्रति चेतना का जागरण, विवेकानंद जैसे महान व्यक्ति के व्यक्तित्व से प्रेरणा, भारत के गौरवशाली इतिहास, मध्य भारत में उपजी सामाजिक समस्याएँ तथा आधुनिक काल में हो रहे परिवर्तनों के संबंध में चेतना का विकास होगा।</p> |



I.Q.A.C. INCHARGE
Govt. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|--|--|--|
| बी.ए./बी. एस.-सी. /बी.कॉम भाग- दो | <p>आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा (पेपर कोड-0171)</p> <p>इकाई-1 चोरी और प्रायश्चित-महात्मा गांधी/कार्यालयीन भाषा, मडिया की भाषा</p> <p>इकाई-2 युवकों का समाज में स्थान-आचार्य नरेन्द्रदेव/वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, मशीनी भाषा</p> <p>ईकाई-3 मातृभूमि-वासुदेवशरण अग्रवाल/संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण</p> <p>ईकाई-4 डॉ. खूबचंद बघेल हरिठाकुर/समास, संधि</p> <p>इकाई-5 संभाषण कुशलता-पं. माधवराव सप्रे/अनुवाद-अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद, संक्षिप्तियाँ</p> | <p>बी.ए./ए.एस.-सी./बी. कॉम. भाग- दो आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा के पाठ्यविषय में निहत महापुरुषों की जीवनी, आत्मकथा तथा सामाजिक विषयों पर आधारित निबंधों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, देशभक्ति, नेतृत्व क्षमता तथा व्यवहार कुशलता का विकास होगा।</p> <p>भाषा तथा व्याकरण खण्ड के अध्ययन से हिन्दी भाषा संबंधी ज्ञान में अभिवृद्धि, शब्द ज्ञान का विकास, अनुवाद क्षमता का विकास, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त होगा।</p> |



P.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Distt - Surguja (C.G.)

[Signature]
विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

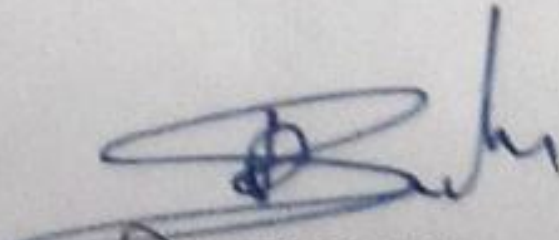
शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|---|---|---|
| बी.ए./बी. एस.-सी. /बी.कॉम भाग- तीन | <p>आधार पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा (पेपर कोड-0231)</p> <p>इकाई-1 (क) भारतमाता-सुमित्रानंदन पंत (ख) कथन की शैलियाँ 1 विवरणात्मक शैली 2 मूल्यांकन शैली 3 व्याख्यात्मक शैली 4 विचारात्मक शैली</p> <p>ईकाई-2 (क) सूखी डाल-उपेन्द्रनाथ अशक (ख) विभिन्न संरचनाएँ 1 विनम्रता सूचक संरचना 2 विधि सूचक संरचना 3 निषेध परक संरचना 4 काल-बोधक संरचना 5 स्थान-बोधक संरचना 6 दिशा बोधक संरचना 7 कार्य-कारण संबंध संरचना 8 अनुक्रम संरचना</p> <p>ईकाई-3 (क) वसीयत- मालती जोशी (ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख 1 परिपत्र 2 आदेश 3 अधिसूचना 4 ज्ञापन 5 अनुरमारक 6 ज्ञापन</p> <p>इकाई-4 (क) योग की शक्ति- हरिवंश राय बच्चन (ख) अनुवाद- स्वरूप एवं परिभाषा, उद्देश्य, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ, अनुवाद प्रक्रिया, अनुवादक</p> <p>इकाई-5 (क) संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण- योगेश अटल (ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण – पत्र</p> | <p>बी.ए./पी.एस.-सी./बी. कॉम. भाग- तीन आधार पाठ्यविषय हिन्दी भाषा के पाठ्यक्रम में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र हिन्दी साहित्य के मर्म को समझ पाएँगे। इन रचनाओं से उनमें राष्ट्रीयता की भावना का विकास होगा। ये रचनाएँ उनमें राष्ट्रीय भाव बोध को जागृत करने में भी सहायक हैं। साथ ही उनमें पारिवारिक व सांस्कृतिक मूल्यों का विकास होगा।</p> <p>व्याकरणिक खण्ड के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ भाषा प्रयोग की व्यावहारिक प्रणालियों से परिचित हो पाएँगे। भाषागत अशुद्धियों दूर करने में, अनुवाद प्रक्रिया को जानने तथा पत्र लेखन कौशल के विकास में पाठ्य- विषय सहायक है।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. College
Udaipur District, Surguja (C.G.)


विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

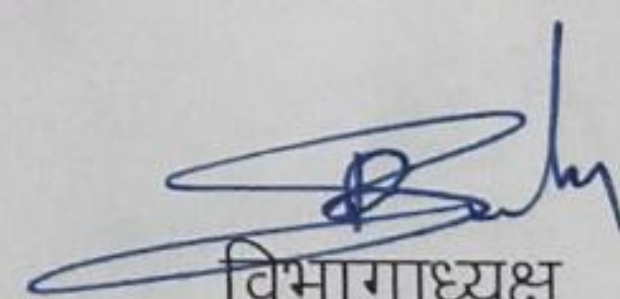
शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|----------------------|---|--|
| बी.ए. भाग- एक | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>प्रथम- प्रश्न पत्र (प्राचीन हिन्दी काव्य) (पेपर कोड-0103)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>1 कबीर (कबीर-कांतिकुमार जैन) प्रारंभिक 50 साखियाँ)</p> <p>2 जायसी (संक्षिप्त पद्मावत-श्यामसुंदर दास) नागमति वियोग वर्णन</p> <p>3 सूर (भ्रमर गीत सार-सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक-25 पद</p> <p>4 तुलसी-"रामचरितमानस" के अयोध्याकांड से प्रारंभिक 25 दोहे चौपाई, छंद सहित</p> <p>5 घनानंद (घनानंद-सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) प्रारंभिक 25 छन्द</p> <p>द्रुत पाठ के कवि-</p> <p>1 विद्यापति</p> <p>2 रहीम</p> <p>3 रसखान</p> | <p>बी.ए. भाग- एक हिन्दी साहित्य के प्रथम-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ हिन्दी साहित्य के मध्यकाल के महान कवियों के जीवनवृत्त, उनके नीतिगत उपदेशों तथा कायजयी रचना का ज्ञान अर्जित कर पाएँगे।</p> <p>इन रचनाओं के माध्यम से छात्र-छात्राएँ समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, अंधविश्वास आदि को दूर करने की शिक्षा, ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक भावबोध, लौकिक एवं अलौकिक प्रेम की पराकाष्ठा, प्रेम में समर्पण की भावना, भक्ति व साधना का अद्भुत समन्वय, धर्म, कर्म, नीति, प्रेम त्याग एवं समर्पण की भावना को समझने में समर्थ हो पाएँगे।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt.RDS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)



विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

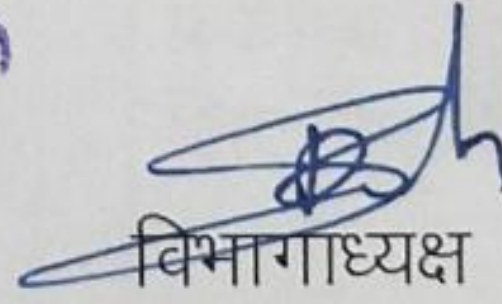
शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|----------------------|---|--|
| बी.ए. भाग- एक | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>द्वितीय- प्रश्न पत्र (हिन्दी कथा साहित्य) (पेपर कोड-0104)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>उपन्यास 1 गबन – प्रेमचंद कहानी 1 प्रेमचंद – कफन 2 जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप 3 यशपाल – परदा 4 फणीश्वरनाथ रेणु – ठेस 5 मोहन राकेश – मलवे का मालिक 6 भीष्म साहनी – चीफ की दावत 7 राजेन्द्र यादव – बिरादरी बाहर 8 रागेय राघव – गदल</p> <p>द्रुत पाठ के कथाकार-</p> <p>1 उपेन्द्रनाथ अशक 2 बाल शौरी रेड्डी 3 शिवानी</p> | <p>बी.ए. भाग- एक हिन्दी साहित्य के द्वितीय-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ हिन्दी साहित्य के महान कथाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे तथा कथा साहित्य के मर्म को समझा पाएँगे। इसके साथ ही उपन्यास एवं कहानी के माध्यम से समाज में व्याप्त रिश्वत खोरी, भ्रष्टाचार, धनलोलुपता, कर्ज की समस्या, अमानवीयता, गरीबी आदि समस्याओं से अवगत हो सकेंगे। कथा साहित्य की कहानियों के माध्यम से छात्र-छात्राएँ सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की शिक्षा प्राप्त करेंगे।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt.RDS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)


विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|----------------------|--|--|
| बी.ए. भाग- दो | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>प्रथम- प्रश्न पत्र (अर्वाचीन हिन्दी काव्य) (पेपर कोड-0173)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>1 मैथलीशरण गुप्त – भारत भारती की कविताएँ। 2 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-1 सखि बंसत आया 2 वर दे वीणावादिनी वर दे 3 हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र 4 तोड़ती पत्थर 5 राजे ने अपनी रखवाली की।</p> <p>3 सुमित्रानंदन पंत- 1 बादल 2 परिवर्तन-2 पद 3 ताज 4 झंझा में नीम 5 भारत भारती</p> <p>4 माखनलाल चतुर्वेदी- 1 बलि पंथी से 2 सांझ और ढोलक की थापें 3 मैं बेच रही हूँ दही 4 उलाहना 5 निः शस्त्र सेनानी</p> <p>5 अज्ञेय- 1 सबेरे उठा तो धूप खिली थी 2 सम्राज्ञी का नैवेद्य दान 3 घर 4 चांदनी जी लो 5 दूर्वाचल</p> <p>द्रुत पाठ के कवि- 1 अद्योदया सिंह उपाध्याय “हरिऔध” 2 सुभद्रा कुमारी चौहान 3 श्रीकांत वर्मा</p> | <p>बी.ए. भाग- दो, हिन्दी साहित्य के प्रथम-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल के महान कवियों के जीवनवृत्त का अध्ययन तथा कालजयी रचनाओं का रसास्वादन कर पाएँगी।</p> <p>अर्वाचीन हिन्दी काव्य का अध्ययन आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। इसके अध्ययन से छात्र-छात्राओं को साहित्य की विकास यात्रा तथा आधुनिक भाव बोध का ज्ञान होगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव, भाषा शिल्प की जानकारी प्राप्त होगी।</p> <p>राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना, त्याग, बलिदानी भावना जागृत करने में राष्ट्रीय काव्य धारा की कविताएँ समक्ष है।</p> <p>छायावादी, प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी अनुचिंतन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी है।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. RDS College
Udaipur Distt. - Surguja (C.G.)

विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

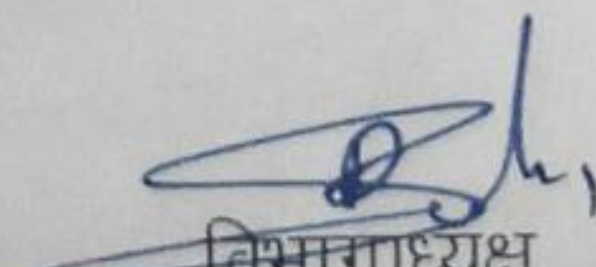
शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|----------------------|--|--|
| बी.ए. भाग- दो | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>द्वितीय- प्रश्न पत्र (हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ) (पेपर कोड-0174)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>नाटक- अंधेर नगरी-भारतेन्दु हरिश्चंद्र</p> <p>निबंध- 1 क्रोध- आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2 बसंत- डॉ. हजारी प्रसादी द्विवेदी 3 उस अमराई ने राम-राम कही है-डॉ. विद्यानिवास मिश्र 4 काव्येषु नाट्यम रम्यम- बाबू गुलाबराय 5 बेईमानी की परत- हरिशंकर परसाई</p> <p>एकांकी- 1 औरंगजेब की आखिरी रात - डॉ. रामकुमार वर्मा 2 स्ट्राईक- भुवनेश्वर 3 एक दिन- लक्ष्मीनारायण मिश्र 4 दस हजार- उदयशंकर भट्ट 5 मम्मी ठकुराईन- डॉ. लक्ष्मीनारायण लल</p> <p>द्रुतपाठ के गद्यकार-</p> <p>1 राहुल सांकृत्यायन 2 महादेवी वर्मा 3 हबीब तनवीर</p> | <p>बी.ए. भाग- दो, हिन्दी साहित्य के द्वितीय-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ हिन्दी साहित्य के गद्यविधाओं का परिचय, नाटक, वैचारिक निबंधों, ललित निबंधों तथा व्यंग्य विधा का ज्ञान अर्जन तथा रसास्वादन कर पाएँगे।</p> <p>पाठ्यविषय में निहित नाटक, निबंध तथा एकांकी के माध्यम से छात्राओं में वैचारिकता का विकास हो सकेगा। अंधेर नगरी के माध्यम से ब्रिटिश शासन की अव्यवस्था, अत्याचार, रिश्वतखोरी और शोषण को प्रतीकात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया है जो वर्तमान समय में भी अपनी प्रासंगिकता बनाए हुए है तथा छात्रों का समाज में हो रहे अनैतिकता के प्रति जागरूक करती हैं। भारतीय ग्राम्य परिवेश में अमराई की महत्ता और उसकी धीरे-धीरे नष्ट होती संस्कृति की ओर ध्यान भी आकृष्ट किया गया है। एकांकी के माध्यम से जीवन की नश्वरता, विक्षिप्त मानसिक स्थिति, आधुनिक मानव जीवन, संस्कृति आदि को लाक्षणिक एवं व्यंग्य के माध्यम से समझाने का प्रयास किया गया है जो कि विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन में सहायक है।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.C. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)


विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग

शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम |
|----------------------|--|---|
| बी.ए. भाग- तीन | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>प्रथम- प्रश्न पत्र (जनपदीय भाषा-साहित्य (छत्तीसगढ़ी) (पेपर कोड-0233)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>1 प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद</p> <p>1 गुरु पइयां लागों नाम लखा दीजो हो। 2 नैन आगे ख्याल घनेरा 3 भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के</p> <p>2 लखनलाल गुप्त का गद्य-</p> <p>1 सोनपान</p> <p>3 अर्वाचीन रचनाकार डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य</p> <p>1 सीख-सीख के गोठ</p> <p>4 डॉ. विनय पाठक की कविताएँ</p> <p>1 तँय उठथस सुरुज उथे 2 एक किसिम के नियव</p> <p>5 मुकंद कौशल – छत्तीसगढ़ी गजल " छै बित्ता के मनखे देखों से- मछरी मन लाख लेथे-तक</p> <p>द्रुतपाठ के रचनाकार-</p> <p>1 सुन्दरलाल शर्मा 2 कपिलनाथ कश्यप 3 रामचन्द्र देशमुख</p> | <p>बी.ए. भाग- तीन, हिन्दी साहित्य के प्रथम-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास, छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास तथा छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का रसास्वादन कर पाएँगे।</p> <p>जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रही है, अस्तु इस भाषा का और इसमें रचित ऐतिहासिक विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना छत्तीसगढ़ी भाषा के साथ ही साथ हिन्दी साहित्य को समृद्ध करने में हितकर होगा।</p> <p>छत्तीसगढ़ी, अंचल के विविध स्वरूप, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक स्थिति एवं, लोक-जीवन की विशिष्टताओं का रेखांकन, जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी के अध्ययनकर्ता के भीतर एक रस का संचार करती है। लोक संस्कृति एवं लोक जीवन की वर्तमान में प्रासंगिकता तो है ही यह भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वाह करता है।</p> |



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Distt. - Surguja (C.G.)

[Signature]
विभागाध्यक्ष

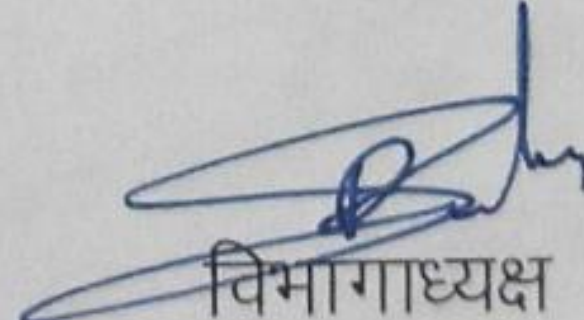
हिन्दी विभाग

शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुज (छ.ग.)

शासकीय राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग.)

| Program कार्यक्रम | Course पाठ्यक्रम | OutCome परिणाम | | | | | | |
|----------------------|---|-------------------|-----------------|---------------|------------|----------------|--------------|---|
| बी.ए. भाग- तीन | <p>हिन्दी साहित्य</p> <p>द्वितीय- प्रश्न पत्र</p> <p>(हिन्दी भाषा-साहित्य का इतिहास तथा काव्यांक विवेचना)</p> <p>(पेपर कोड-0234)</p> <p>पाठ्य विषय-</p> <p>(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास-हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ विभिन्न विभाषाओं का विकास।</p> <p>हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप -</p> <table><tr><td>1 बोलचाल की भाषा</td><td>2 रचनात्मक भाषा</td></tr><tr><td>3 राष्ट्रभाषा</td><td>4 राज भाषा</td></tr><tr><td>5 सम्पर्क भाषा</td><td>6 संचार भाषा</td></tr></table> <p>हिन्दी का शब्द भण्डार- तत्सम, तद्भव देशज,आगत शब्दावल।</p> <p>(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास- आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियों, विशिष्ट रचनाकार एवं उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।</p> <p>(ग) काव्यांग- काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन।</p> <p>श्रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा</p> <p>उदाहरण।</p> <p>प्रमुख 5 छंद- दोहा,सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ,सवैया।</p> <p>अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।</p> | 1 बोलचाल की भाषा | 2 रचनात्मक भाषा | 3 राष्ट्रभाषा | 4 राज भाषा | 5 सम्पर्क भाषा | 6 संचार भाषा | <p>बी.ए. भाग- तीन, हिन्दी साहित्य के द्वितीय-प्रश्न पत्र के पाठ्यविषय में निहित साहित्यिक रचनाओं के अध्ययन से छात्र-छात्राएँ हिन्दी भाषा तथा हिन्दी साहित्य के समृद्ध इतिहास से परिचित हो सकेंगे।</p> <p>हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गूढ़ गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षों का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ-साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्रहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक प्रतिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।</p> |
| 1 बोलचाल की भाषा | 2 रचनात्मक भाषा | | | | | | | |
| 3 राष्ट्रभाषा | 4 राज भाषा | | | | | | | |
| 5 सम्पर्क भाषा | 6 संचार भाषा | | | | | | | |




विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

शास. राजकुमार धीरज सिंह महाविद्यालय
उदयपुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)

I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt R.D. College
Udaipur Dist. Surguja (C.G.)

DEPARTMENT OF ARTS

Geography

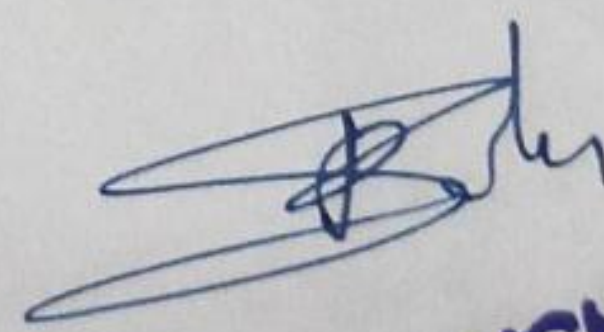
Program specific outcomes -

- Study the types of land and processes.
- Understand the structure, composition of different spheres of the earth and its Atmosphere.
- Understand importance of oceans, rivers and water and find the ways of their conservation.
- Understand the Function and types of Biogeography.
- Understand the science of Remote Sensing Make use of GIS & GPS software

Course outcomes -

- Understand the background knowledge of Geography, Geology and Climatology.
- Know erosion and developmental process of physical geography.
- Identify and communicate some geomorphologic concepts and processes take place on the earth surface and within the earth crust.
- Think critically about atmospheric phenomena.
- Get knowledge of human geography
- Understand human race and its' development.
- Knowledge of human population, its' growth and consequences.
- Gain knowledge rural and urban settlement of human race.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. RDS College
Udaipur Distt. - Surguja (C.G.)

English Literature

Program specific outcomes -

- On successful completion of the programme, the students will be accurate both in oral and written communication as they will be strong in Grammar and its usage.
- They can express a thorough command of English and its linguistic Structures.
- They can apply critical frameworks to analyze the linguistic, cultural and historical background of texts written in English.
- They will be familiar with the conventions of diverse textual genres including fiction, non-fiction, poetry, autobiography, biography, Journal, film, plays, editorials etc.
- To enable students to understand the passage by silent reading. To learn phonetics and proper intonation.

Course outcomes -

- Students can enjoy all the essays and improves literary skills.
- Students can learn all the grammar skills.
- Students will be able to improve comprehensive skills as well as advanced grammar skills.
- Students can understand the values of literature.
- The anthology contains selected literary pieces offering glimpses of life and world from different perspectives.
- Students will be able to make use of grammar skills when they face competitive exams.
- Students will be able to improve human values by following the given anthology.
- Students can improve telephonic conversations, e-mails, job oriented skills.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt.RDS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Political Science

Program specific outcomes -

- Knowledge about political system of the nation.
- Study of national and international political affairs.
- Study From Competitive Examination Point Of View.
- Understanding the govt. mechanism, its functions, duties and responsibilities.
- Creating appropriate and efficient political leaders.
- Getting knowledge of public law
- Getting knowledge of constitution of India

Course outcomes -

- Acquiring the knowledge about political theories and concepts.
- Getting the awareness about political institutions, their types, functionality and duties.
- Understand the basic principles of politics including governing institutions and branches, political wings and organizations.
- Acquiring the knowledge about Indian constitution.
- Getting awareness about ones rights & duties.
- Getting information about political parties and system of justice in India.
- Knowledge about the problems and challenges in Indian politics
- Getting information about western political thinkers and political thoughts and ideologies. Study of the international political system
- Study of the international and regional organizations and history of international relations
- Getting information about western political thinkers and their political thoughts.
- Study of the bilateral relations of India with neighboring countries, international security and emerging issues.

Foundation Course (common in all programmes)

- To develop Listening, Speaking, Reading and Writing skill in Hindi and English language.



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. RDS College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

Environmental Studies and Human Rights

[Common in all programmes in first year course]

- To understand the importance of environment, causes of environmental pollution and remedies for prevention of environmental pollution.
- To understand the general ecosystem and its effects.
- To understand the value of human rights and duties.

Economics

Program specific outcomes -

- The students will be familiarized with the broad contours of Economics and its methodologies, tools and its analysis.
- Students will be able to analyze the economics and institutional arrangements of specific regions, countries, organizations, localities, industries or firms.
- Students will develop a scientific approach towards varied branches of economics like modern banking, economic development and planning, micro economics etc
- Students will be able to evaluate economic issues and public policy by using economic models or data analysis while identifying underlying assumptions of the model(s) and limitations
- Students will be able to formulate informed opinions on policy issues and recognize the validity of opposing viewpoints.
- Students will be able to effectively communicate and debate economic ideas and policies.

Course outcomes -

- Students will be able to recognize, apply and analyze concepts and theories in micro economics Student will develop an ability to attempt questions in competitive examinations
- Students will be able to appraise and assess the theories in micro economics and apply them in real life situations
- Ability to develop an understanding of the subject areas in Economics with its intricacies and imperfections and to be able to construct intellectual dialogue.
- Ability to discuss and debate on the changing structures and theoretical developments in the subject.
- Students will be able to explain the concepts of macro economics like opportunity cost, economic fluctuations etc.


I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Dist. Sarguja (C.G.)



- Students will be able to explain the concepts of National income, inflation and concepts related to inflation and unemployment, and how they are measured.
- Students will be able to explain the circular flow model and use the concepts of aggregate demand and aggregate supply to analyze the response of the economy to disturbances.
- Students will be able to describe the determinants of the demand for money, the supply of money and interest rates and the role of financial institutions in the economy.
- Students will be able to define fiscal and monetary policies and how these affect the economy. Enhances them to compute and assess the real situation of economy Identifying graphical and numerical methods to calculate and illustrate descriptive statics.



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
 Govt.RDS College
 Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Department of Chemistry Programme Outcomes:

B.Sc. Chemistry (Department of Chemistry) after successful completion of three year (under graduate) degree program in Chemistry a student should be able to:

- PO1. Understand the concept of chemistry to inter relate and interact to the other subject like mathematics, physics, biological science etc.
- PO2. Apply appropriate techniques for the qualitative and quantitative analysis of chemicals in laboratories and in industries.
- PO3. Develops analytical skills and problem solving skills requiring application of chemical principles
- PO4. After completion of degree, students gained the theoretical as well as practical knowledge of handling chemicals
- PO5. Understand the importance of the elements in the periodic table including their physical and chemical nature and role in the daily life.
- PO6. Learn the laboratory skills and safely to transfer and interpret knowledge entirely in the working environment.
- PO7. Solve the problem and also think methodically, independently and draw a logical conclusion.
- PO8. Employ critical thinking and the scientific knowledge to design, carry out, record and analyze the results of chemical reactions.
- PO9. Find out the green route for chemical reaction for sustainable development.
- PO10. To inculcate the scientific temperament in the students and outside the scientific community.
- PO-11. Use modern techniques, decent equipment and Chemistry software.

B.Sc. Part-I Course Outcomes After successful completion of these courses students should have:



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. RDS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Paper I- INORGANIC CHEMISTRY Paper Code- 0795 Total Hours: 60 hrs. M.M. 33

- CO1. Understanding of atomic structure, Trends in periodic table and applications to understand the periodic properties of elements.
- CO2. Understand various types of theories and bonding in ionic solids
- CO3. Knowledge regarding to various types of bonding in covalent molecules and VSEPR concept.
- CO4. Knowledge of s-block elements and p block element of periodic table.
- CO5. Basic idea of Chemistry of noble gases and theoretical principles in qualitative analysis.

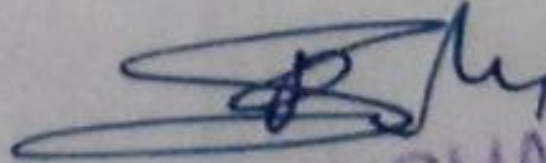
Paper- II: ORGANIC CHEMISTRY Paper Code- 0796 Total Hours: 60 hrs. M.M. 33

- CO1. Describe about basic organic chemistry involving bonding, intermediate and types of reactions.
- CO2. Understand the Basic Knowledge of stereochemistry of organic compounds.
- CO3. Knowledge of conformational analysis of alkanes.
- CO4. Chemistry of aliphatic hydrocarbons, formation of sigma and pi bond understand Chemistry of alkenes, dienes and alkynes.
- CO5. Concept of atomicity in hydrocarbons.

Paper- III: PHYSICAL CHEMISTRY Paper Code- 0797 Total Hours: 60 hrs. M.M. 34

- CO1. Understand the idea of basic mathematical concepts for chemists.
- CO2. Understanding of various theories of gaseous state and concept of real gas and ideal gas.
- CO3. Understand chemistry of liquid state, Colloidal and surface chemistry.
- CO4. Knowledge of solid state chemistry and techniques of powder pattern method.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt.RDS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

CO5. Understand chemical kinetics rate constant and order of reactions.
Characteristics of catalysis in chemical reactions.

Practical work Total Hours: 180 hrs. M.M. 50

INORGANIC PRACTICAL

CO1. Analyze qualitatively acid and basic radicals by semi-micro analysis method.

CO2. Different kind of titration like Acid-Base Titrations, Redox Titration and Iodo / Iodimetric Titrations.

ORGANIC PRACTICAL

CO3. Calibration of thermometers.

CO4. Purification of organic compounds by crystallization using different solvents.

CO5. Determination of the melting points of organic compounds.

CO6. Effect of impurities on the melting point - mixed melting point of two unknown organic compounds.

CO7. Determination of boiling point of liquid compounds.

CO8. Distillation (Demonstration)

CO9. Sublimation

CO10. Decolorization and crystallization using charcoal.

CO11. Qualitative Analysis (Detection of elements (N, S and halogens) and functional groups (Phenolic, Carboxylic, Carbonyl, Esters, Carbohydrates, Amines, Amides, Nitro and Anilide) in simple organic compounds.)

PHYSICAL CHEMISTRY

CO12. Surface tension measurements.

CO13. To determine the % composition of a given mixture by Ostwald's viscometer.

CO14. To determine the specific rate of hydrolysis of methyl/ethyl acetate catalyzed by hydrogen ions at room temperature.



[Signature]
J. Q. A. C. - INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

CO15. To prepare colloidal solution of metal nanoparticles using capping agents.

Course Outcomes B.Sc. Part Two Course Outcomes After successful completion of these courses students should be able to:

Paper- I : INORGANIC CHEMISTRY Paper Code- 0845 Total Hours: 60 hrs. M.M. 33

CO1. Understand chemistry of transition series elements.

CO2. Knowledge of oxidation and reduction and coordination compounds.

CO3. Knowledge of various theories of coordination chemistry.

CO4. Chemistry of lanthanide and actinides elements.

CO5. Understand Acid and bases and non-aqueous solvents.

Paper- II : ORGANIC CHEMISTRY Paper Code- 0846 Total Hours: 60 hrs. M.M. 33

CO1. Understand chemistry of alkyl and aryl halides.

CO2. Understand chemistry of alcohols and phenol.

CO3. . Understand chemistry of aldehyde, ketones and its use.

CO4. Understand chemistry of carboxylic acid, substituted carboxylic acids and there derivatives.

CO5. Understand Chemistry of organic compound of nitrogen.

Paper- III: PHYSICAL CHEMISTRY Paper Code- 0847 Total Hours: 60 hrs. M.M. 34

CO1. Understand first law of thermodynamics and thermo chemistry.

CO2. Knowledge of second law of thermodynamics, Elementary idea of Third law of Thermodynamics.

CO3. Understand concept of chemical equilibrium and ionic equilibria.

CO4. Understand concept of phase equilibrium and Nernst distribution law.

CO5. knowledge of photochemical reaction and concepts of photochemistry.



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Practical work Total Hours: 180 hrs. M.M. 50

INORGANIC CHEMISTRY

CO1. Calibration of fractional weights, pipettes and burettes.

CO2. Preparation of standard solutions.

CO3. Quantitative volumetric estimation of vinegar, antacid tablets, chalk, hardness of water, ferrous & ferric and copper.

CO4. Qualitative semi micro analysis of mixtures containing 5 radicals

ORGANIC CHEMISTRY

CO5. Detection of elements (X, N, S).

CO6. Qualitative analysis of unknown organic compounds containing simple functional groups. (alcohols, carboxylic acids, phenols, nitro, amine, amide, and carbonyl compounds, carbohydrates) CO7. Preparation of Organic Compounds.

PHYSICAL CHEMISTRY

CO8. Determination of the transition temperature of the given substance by thermometric/ dilatometric method

CO9. To determine the solubility of benzoic acid at different temperature and to determine ΔH of the dissolution process.

CO10. To determine the enthalpy of neutralization of a weak acid/ weak base versus strong base/ strong acid and determine the enthalpy of ionization of the weak acid/ weak base.

CO11. To construct the phase diagram of two component system by cooling curve method.

CO12. Determination of molecular weight by Rast Camphor and Lands burger method

Course Outcomes B.Sc. Part-III Course Outcomes After successful completion of these courses students should be able to:



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

- CO1. Knowledge of metal ligand bonding in transition metal complexes, Thermodynamics and kinetic aspects of metal complexes.
- CO2. Knowledge of magnetic properties of transition metal complexes and electronic spectra of complexes.
- CO3. Knowledge of chemistry of organometallic compounds.
- CO4. Knowledge of bioinorganic chemistry.
- CO5. Knowledge of hard and soft acids and bases and silicones and phosphazenes.

Paper- II : ORGANIC CHEMISTRY Paper Code- 0896 Total Hours: 60 hrs. M.M. 33

- CO1. Understand the concept of heterocyclic compounds and their synthesis methods. CO2. Understand the basic idea of organometallic compounds, organosulphur compounds and organic synthesis via enolates.
- CO3. Knowledge of biomolecules like carbohydrates, proteins and nucleic acid.
- CO4. Understand Chemistry of synthetic polymers, polymerization reaction and synthetic dyes.
- CO5. Understand infrared spectroscopy, UV-Visible spectroscopy, NMR spectroscopy and ¹³C NMR spectroscopy and magnetic resonance imaging.

Paper- III: PHYSICAL CHEMISTRY Paper Code- 0897 Total Hours: 60 hrs. M.M. 34

- CO1. Understand black body radiation, De-Broglie's idea of matter waves, Schrödinger time independent wave equation and its applications under quantum mechanics.
- CO2. Knowledge of quantum mechanical approach to molecular orbital theory, Orbitals and their characteristics.
- CO3. Understand the electromagnetic radiation, Vibrational and Raman spectra.
- CO4. Understand the Electrolytic conductance, theories of strong electrolytes and migration of ions.
- CO5. Understand the basic function of electrochemical cell, galvanic cells, single electrode potential and concentration cell.



[Signature]
I.Q.A.C. INCHARGE
Govt. R.D. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

Practical work Total Hours: 180 hrs. M.M. 50

INORGANIC CHEMISTRY

CO1. Synthesis and analysis of inorganic complexes.

CO2. Gravimetric analysis of Ba as BaSO₄.

ORGANIC CHEMISTRY

CO3. Steam distillation: Naphthalene from its suspension in water, Clove oils from clove, Separation of ortho and para-nitrophenols.

CO4. Qualitative analysis.

CO5. Synthesis of organic compounds acetylation, aliphatic electrophilic substitution, aromatic electrophilic substitution, halogenation, oxidation, reduction,

PHYSICAL CHEMISTRY

CO6. Electrochemistry.

CO7. Determine strength of given acid conductometrically using standard alkali solution.

CO8. Separation of fluorescein and methylene blue by column chromatography.

CO9. Study of saponification of ethyl acetate conductometrically.

CO10. Determine the specific rotation of a given optically active compound.

CO11. Determine strength of given acid conductometrically using standard alkali solution.

CO12. Study of saponification of ethyl acetate conductometrically.

CO13. Determine the specific rotation of a given optically active compound.

CO14. Determination of molecular weight of a non-volatile solute by Rast method/ Beckmann freezing point method.

CO15. Verify Beer-Lambert law for KMnO₄/ K₂Cr₂O₇ and determination of concentration of the given solution of the solution.



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.N.S. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

GOVT. RAJKUMAR DHIRAJ SINGH COLLEGE, UDAIPUR , SURGUJA
(C.G.)

DEPARTMENT OF BOTANY, PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME

B.SC. BOTANY

Program Specific Outcomes (PSOs) of Botany

Upon completion of this program the student will be able to

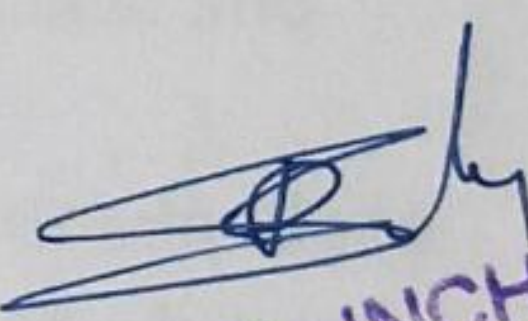
PSO 1. Gain knowledge of botany concepts, state principles and outline processes underlying the field of botany and its related interdisciplinary subjects.

PSO 2. Demonstrate an understanding of plant morphology, anatomy and analyze importance of plants and their conservations .

PSO 3. Integrate knowledge of vital and applied aspects of botany for designing experiments and interpretation of results.

PSO 4. Entrepreneurial and Social competence: Associate the impact of human activity on nature, importance of plant diversity and its conservation for sustainable development.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. Rajkumar Dhiraj Singh College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

COURSE OUTCOME

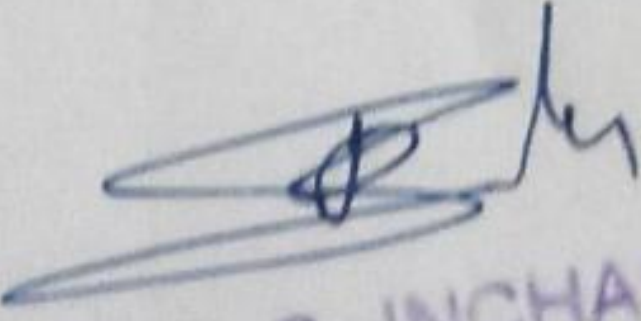
B.Sc. - 1 (BOTANY) PAPER-I

BACTERIA, VIRUSES, FUNGI, LICHENS AND ALGA:

After completion of the course students will be able to:-

1. Understand general characteristics, types of viruses based on structure and genetic material and multiplication of viruses.
2. Gain knowledge of general characteristics and classification (on the basis of morphology), fine structure of bacterial cell, Gram positive and Gram negative bacteria, mode of nutrition and reproduction vegetative, asexual and recombination.
3. Understand general account of habit and habitat, structure (range of thallus organization), cell wall composition, nutrition.
4. Learn classification of fungi. economic importance of fungi, Life cycles of Saprolegnia, Albugo, Aspergillus, Peziza, Agaricus, Ustilago, Puccinia, Alternaria and Cercospora.
5. Learn about General characters of algae, range of thallus organization, Gaidukov phenomenon, reproduction, life cycle patterns and economic importance.
6. Able to Classify Systematic position, occurrence, structure and life cycle of genera.
7. Understand general account, types, structure, nutrition, reproduction and economic importance of Lichen.
8. Gain knowledge of Mycoplasma: Structure and importance. Blue Green Algae (BGA) in nitrogen economy of soil and reclamation of Ushar land Mushroom Biotechnology.



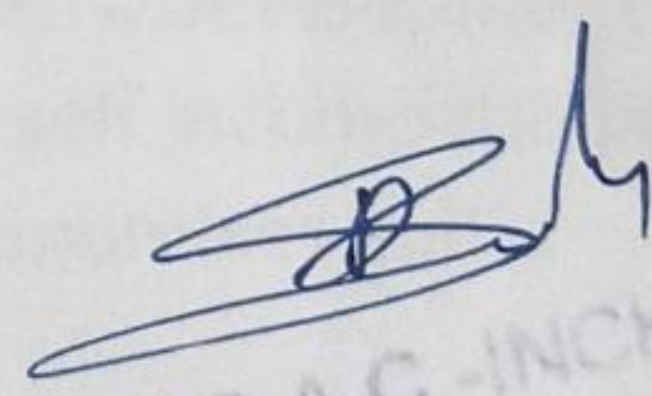

I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.T. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

B.Sc. - I (BOTANY) PAPER -II

(BRYOPHYTES, PTERIDOPHYTES, GYMNOSPERMS AND PALAEOBOTANY)

1. Learn general characteristics, affinities, range of thallus organization, general classification and economic & ecological importance of bryophyta, Systematic position, occurrence, morphology anatomy and reproductive structure in Riccia, Marchantia, Peltia, Anthoceros, Funaria. Vegetative reproduction in Bryophytes, Evolution of sporophytes.
2. Understand PTERIDOPHYTES, its general characteristics, affinities, economic importance and classification, Heterospory and seed habit, stellar system in Pteridophytes, Aposory and apogamy, Telome theory, Azolla as Biofertilizer.
3. Gain knowledge of systematic position, occurrence. Morphology, anatomy and reproductive structure of Psilotum, Lycopodium, selaginella, Equisetum, Marsilea.
4. Learn general characteristics, affinities, economic importance and classification of Gymnosperm.
5. Understand PALAEOBOTANY: Geological time scale, types of fossils and fossilization, Rhynia, and study of some fossil gymnosperms.




I.O.A.C - INCHARGE
Govt. R. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.D.)

B.Sc. .- II (BOTANY)

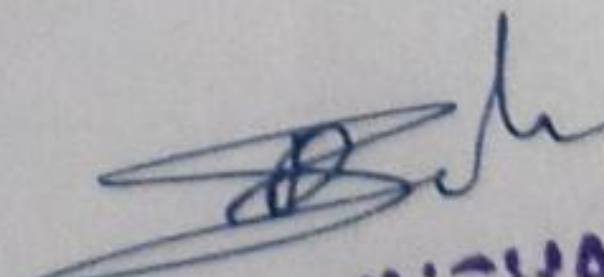
Course outcome

PAPER-I (PLANT TAXONOMY, ECONOMIC BOTANY, PLANT ANATOMY AND EMBRYOLOGY)

Upon Successful completion of the course students will be able to :

1. Understand Bentham and Hooker system of classification. Binomial Nomenclature, International Code of Nomenclature for Algae, Fungi, and plants (IUCN).
2. Learn preservation of Plant material and Herbarium techniques. Important botanical gardens and herbaria of India, Kew Botanical garden, England.
3. Understand systematic position, distinguishing characters and economic importance of the following families; Ranunculaceae, Magnoliaceae, Brassicaceae, Rosaceae, Papaveraceae, Caryophyllaceae, Rutaceae, Cucurbitaceae, Apilaceae, Rubiaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae, Solanaceae, Malvaceae, Convolvulaceae, Orchidaceae, Acanthaceae, verbenaceae, Lamiaceae, Asteraceae, Fabaceae, Euphorbiaceae, Poaceae and Lillaceae.
4. Learn botanical name, family, part used and uses of economically important plants, fiber yielding plants; Cotton, jute, sun, hemp, coir. Timber yielding plants: Sal, Teak, Shisham and Pine. Medicinal plants.
5. Understand Plant Anatomy: Root and shoot apical meristems theories of root and shoot apex organization.
6. Understand about Embryology: Flower as a reproductive organ, anther, microsporogenesis, types of ovules, megasporogenesis, development of male and female gametophyte, pollination, mechanisms, self incompatibility, fertilization, endosperm, embryo, polyembryony, apomixes and parthenocarpy.




I.Q.A.C. IN CHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

PAPER II (ECOLOGY AND PLANT PHYSIOLOGY)

After completion of course students will be able to :

1. Learn scope of ecology, environmental and ecological factors, Soil formation and soil profile, Liebig's law of minimum, Shelford's law of tolerance, morphological and anatomical adaptations in hydrophytes, xerophytes and epiphytes.
2. Gain knowledge of population and community characteristics, Raunkiaer's life forms, population interactions (e.g. Symbiosis, Amensalism etc.), succession, ecotone and edge effect, ecological niches, ecotypes, ecads, keystone species .
3. Understand concept of ecosystem, trophic levels, flow of energy in ecosystem, food chain and food web, concept of ecological pyramids Biogeochemical cycles: carbon cycle, nitrogen cycle and phosphorus cycle
4. Learn plant water relations: Diffusion, permeability, osmosis, imbibition, plasmolysis, osmotic potential and water potential.
5. Learn the types of soil water, water holding capacity, wilting, Absorption of water, theories of Ascent of sap, Mineral nutrition and absorption, Deficiency symptoms, Transpiration, stomatal movement, significance of transpiration, Factors affecting transpiration, guttation.
6. Gain insight about Photosynthesis and Respiration.
7. Understand and learn about plant growth hormones: Auxin, Gibberellin, Cytokinin, Ethylene and Abscissic acid. Physiology of flowering, Florigen concept, Photoperiodism and Vernalization. Seed dormancy and germination, plant movement.




I.Q.A.C. INCHARGE
Govt R.D. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

PAPER -I (ANALYTICAL TECHNOLOGY PLANT PATHOLOGY, EXPERIMENTAL
EMBRYOLOGY,

ELEMENTARY BIOSTATISTICS, ENVIRONMENTAL POLLUTION AND
CONSERVATION)

After completion of course students will be able to :-

1. Understand the Structure, Principle and applications of analytical instrumentation.
2. Gain knowledge of plant tissue culture techniques and analytical techniques.
3. Foster knowledge of general principles of plant pathology, general symptoms of fungal, bacterial and viral diseases, mode of infection, diseases resistance and control measures, plant quarantine.
4. Know and understand pollution, green house gases, Ozone depletion, Dissolve oxygen, B.O.D ., C.O.D. Bio magnification, Eutrophication, Acid precipitation, Phytoremediation, Plant indicators.
5. Understand the application of Biostatics, measure of central tendency-Mean, Median, Mode, measures of dispersal-Standard deviation, standard error.




I.Q.A.C INCHARGE
Govt. R.G. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

COURSE OUTCOME

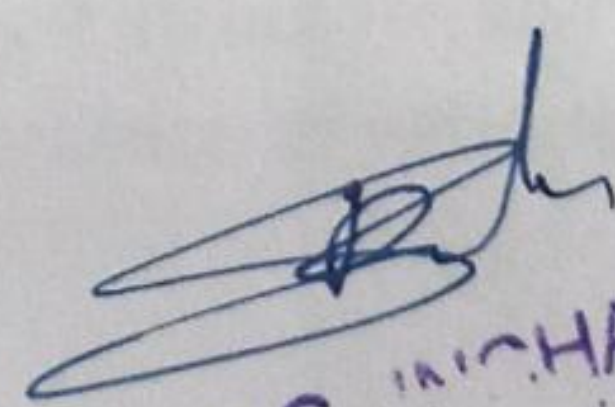
(BOTANY) PAPER -II

(GENETICS, MOLECULAR BIOLOGY, BIOTECHNOLOGY AND BIOCHEMISTRY)

After completion of course students will be able to :-

1. Understand Cell and cell organelles, organization and morphology of chromosomes, giant chromosomes, cell division, Mendel's law, gene interactions and gene concept.
2. Gain knowledge of Nucleic acids, structure and forms of DNA and RNA, DNA/RNA as genetic material.
3. Learn Recombinant DNA, Enzymes in recombinant DNA technology, cloning vectors (Plasmid, Bacteriophages, Cosmids, Phagemids), gene cloning, PCR, Application of Biotechnology; G.M.Plants, Monoclonal antibodies, DNA finger printing.
4. Understand Protein: Chemical composition, primary, secondary and tertiary structure of Proteins.
5. Gain knowledge of enzymes, Nomenclature and classification, components of enzyme, theories of enzyme action, enzyme kinetics (Michaelis-Menten constant), allosteric enzymes, isozymes, Abzymes. Ribozymes, factors affecting enzyme activity.




I.Q.A.C. IN CHARGE
Govt. R.D. College
Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)

GOVT. RAJKUMAR DHIRAJ SINGH COLLEGE UDAIPUR, SURGUJA
(C.G.)

DEPARTMENT OF ZOOLOGY, PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME

B.SC. ZOOLOGY

After successful completion of B.Sc. Zoology program students will be able to:

PSO 1. Gain Knowledge about scientific terms, concepts and facts.

PSO 2. Understand and appreciate life processes governing life from a cellular, multicellular and tissue grade organization.

PSO 3. Understand animal interaction with the environment and identify the major group of organism.

PSO 4. Ability to connect and apply biological knowledge to other disciplines and integrate knowledge into their personal and professional lives.

COURSE OUTCOME

B.SC. I

CELL BIOLOGY



On completion of the course, students are able to:

1. Understand various applications of cells and cell biology.
2. Understand the different characters between plant cell and animal cell.
3. Students will get general idea of organization at cellular level and their role in governing cellular processes.
4. Understand the whole cell organelles with their structure and function.
5. Understand the cell cycle and know the importance of various cells in body of organisms.

Non-Chordates:

On completion of the course, students are able to:

1. Understand about the Non-Chordate animals.
2. To study the external as well as internal characters of non-chordates.
3. To study the distinguishing characters of non-chordates.
4. Understand the economical importance of Molluses.

[Signature]
I.Q.A.C. IN CHARGE
Govt. R.K. College
Udaipur Distt. Surguja (C.G.)

5. Understand the Characters of class Asterias with help of animal Sea star.
6. Understand the internal as well as external morphology of that animal.
7. To study and understand the concepts-Metamorphosis, regeneration and autonomy.

Chordate:

On completion of the course, students are able to:

1. Understand the phylum Chordate.
2. Understand the evolution, history of phylum.
3. Understand the evolution, history of phylum.
4. Understand the basic concepts about chordates.
5. Understand the external morphology and sexual dimorphism in chordates.
6. Study and understand the various systems, adaptation and dentition in Mammals.

General Embryology:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Identify the developmental stages.
2. Describe the key events in early and systematic embryological development.
3. Describe the chick development up to 96 hours of incubation and extra embryonic membranes.
4. Explain the theories of reformation, and concepts like growth, differentiation and reproduction.
5. Explain the principles and process of fertilization and cleavage.

Practical Paper :

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Identify the life cycle stages of few parasites.
2. Identify and explain the cleavage blastulae and Gastrulae.
3. Identify the age of chick embryo.
4. Identify the phases of cell division.
5. List the household Pest and social insects.
6. Explain the pathogenicity and morphology of few ectoparasites.
7. Explain the diseases spread by vectors.
8. Explain the interrelationship of insects and human with examples.
9. Explain the effects of household insects on human health.
10. Demonstrate rectal parasites in cockroach.



[Signature]
U.A.C. HARGE
Govt. R.U. College
Udaipur Dist. - Sarguja (C.G.)

11. Demonstrate Mitochondria/ mitotic and meiotic stages by stained preparations.
12. Illustrate the social organization in insects.
13. Prepare temporary slide of chick embryo to identify the stage and age.
14. Prepare mounting of mouth parts of few common insects.

B.Sc. Part-II

After successfully completing this course, students will be able to:

Anatomy and Physiology

1. Understand the Integument and its derivatives: structure of scales, hair and feathers. Alimentary canal and digestive glands in vertebrates. Respiratory organs: Gills and lung, air-sac in birds.
2. Study and understand digestion and absorption of dietary components and Physiology of heart, cardiac cycle and ECG, Blood Coagulation, Respiration: mechanism and control of breathing.
3. Understand the Excretion: Physiology of excretion, osmoregulation: Physiology of muscle contraction, Physiology of nerve impulse, Synaptic transmission.

Structure and Function of Vertebrates:

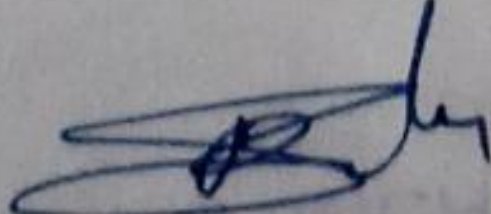
After successfully completing this course, students will be able to:

1. Understand the classes of vertebrates: fishes, Amphibia, Reptilia, Aves and Mammals.
2. Study of endoskeleton of vertebrates.
3. Comparative Study of skin of vertebrates.
4. Understand the comparative account of urogenital system, nervous system, digestive system heart and aortic arches and its evolution in vertebrates.
5. Understand the physiology of nerve impulse and signaling mechanism and digestion.

Vertebrate endocrinology and reproductive biology:-

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Understand the general idea about hormone roles in animal body and types of hormone, synthesis and its functions.


 I. U. ... ARGE
 Govt. ...
 Udaipur Dist. - Surguja (C.G.)



2. Understand the types of hormone, synthesis, secretion and its function.
3. Understand the mechanism of hormone action and its termination.
4. Understand the reproductive system of animal and its function.
5. Understand the role of hormone in animal reproduction and reproductive cycle.
6. Understand the disease and disorder of imbalance of hormones.
7. Reproductive behavior in animal like courtship pattern.

Ethology:

After successfully completing this course, students will be able to:

Define the term ethology/animal behavior. Understand the reproductive behavior in animals. Understand about orientation behavior in animal, like taxis, reflexes. Understand about drugs, hormones and behavior.

Organic Evolution:-

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Define organic evolution.
2. Explain the theories of organic evolution.
3. Describe the concept of origin of life and theories of origin of life.
4. Describe evolution of horse.
5. Illustrate the presence of organisms at various geological time scales.
6. Apply the knowledge in relevant experimentations.
7. Categorize different zoogeographical realms.
8. Compare animal distribution in different zoogeographical realms.

Applied Zoology:

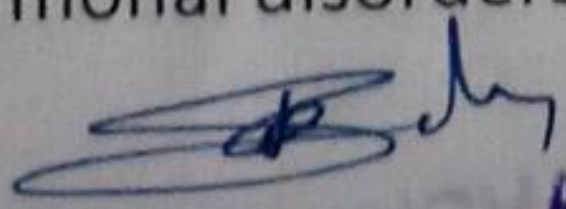
After successfully completing this course, students will be able to:

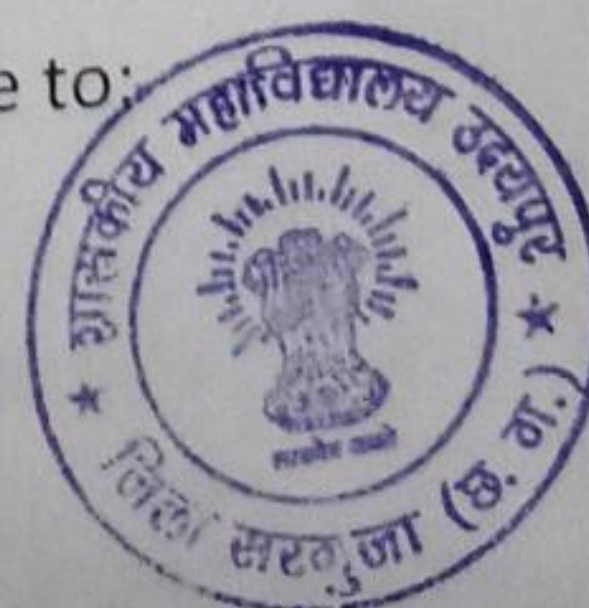
1. Introduce the term apiculture to the students.
2. To aware the students and provides the economical importance of Apiculture.
3. Understand the Bee keeping equipment and apiary management.

Practical Paper:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Identify the organs by studying the histological slides.
2. Identify hormonal disorders using pictures.


ARGE
Govt.
Udaipur Dist. - Jurguja (C.G.)



3. Explain the anatomical features of brain, heart, kidney and skin of vertebrates.
4. Identify the fossil types/ adaptations in animals.
5. Explain the evidences of evolution.

B.Sc. III year

Environmental Biology & Toxicology:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. List the environmental challenges and their remedies.
2. Understand the nature of ecosystem, productivity, food webs, energy flow,
3. Describe the resilience of ecosystem and ecosystem management.
4. Explain Biosphere, biomes and impact of climate on biomes.
5. Explain wildlife management in India and conservation of wildlife.
6. Explain the three necessary and sufficient conditions i.e. struggle for existence; variation; and inheritance.
7. Discuss natural resources, causes of their depletion and their conservation.

Microbiology:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Understand about general and applied microbiology.
2. Uses of microbes to making for useful product in industries.
3. Microbiology of domestic water and sewage.

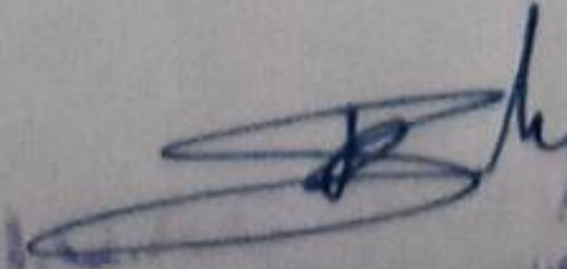
Medical microbiology:-

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Define the basic terms in parasitology.
2. List common ectoparasites and endoparasites.
3. Explain animal associations and their types.
4. Discuss the life cycle and importance of major parasites.
5. Illustrate transmission routes of animal and zoonotic parasites
6. Classify parasites.
6. Justify the control measures of arthropod vectors.

Genetics & Molecular biology:-

After successfully completing this course, students will be able to:


 Head of the Department
 Govt. College
 Udaipur Dist. - Gurguja (C.G.)



1. Define the basic terms in genetics.
2. Discuss the linkage groups and gene frequency.
3. Explain the concept of mutation.
4. Paraphrase the Central dogma of molecular biology.
5. Illustrate the mechanism of replication, transcription and translation.

Biological Chemistry:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Define the basic terms in biochemistry.
2. Explain the structure, functions and reactions of the various biomolecules.
3. Give examples of each group type of biomolecules.
4. Correlate the changes in the levels of these biomolecules with the diseases in human
5. Calculate pH and pOH of buffer solution.
6. Classify the biomolecules. And enzyme ..
7. Draw the structures of major biomolecules.

Biological techniques:

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Describe the techniques used in hematology.
2. Explain the principle of separation techniques.
3. Illustrate the working of microscopes.
4. List the separation techniques.

Practical Paper:-

After successfully completing this course, students will be able to:

1. Count total leucocytes from blood samples.
2. Estimate the Hb. level in blood samples.
3. Measure the pH of given samples.
4. Identify the life cycle stages of few parasites.
5. Explain the pathogenicity and morphology of few ectoparasites.




I.Q.A.C. IN CHARGE
 Govt College
 Badaipur D. Sarguja(C.G.)

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, PROGRAM SPECIFIC OUTCOME

B.SC. MICROBOIOLOGY

After successful completion of b.sc microbiology program students will be able to: -

PSO 1. Gain knowledge of microbiology concepts, state and outline processes underlying one field of microbiology and its related interdisciplinary subjects.

PSO 2. Integrate knowledge of vital and applied aspects of microbiology for designing experiments and interpretation of results.

PSO 3. Gain knowledge about terms, concepts and facts.

PSO 4. Ability to connect and applied microbiology knowledge to other disciplines and integrate knowledge into their personal and professional lives.

COURSES OUTCOME

B.SC. PART- I

Paper I General Microbiology and Basic Technique

(After successfully completing this course, students will be able to :)

1. Understand about general and applied microbiology.
2. The students will understand the Golden era of microbiology.
3. Basic microbiology techniques, pure, culture techniques, staining techniques.
4. Principle and classification of viruses, structure, multiplication and economic importance of virus.
5. Gain knowledge of general characteristics and classification, fine structure of bacterial cell, germ positive and germ negative bacteria and economic importance as well.
6. General characteristics and classification of fungi, structure and reproduction.
7. Learn about general characteristics and classification of Algae and Protozoa.

Paper – II Biochemistry and Physiology




I.Q.A.C. IN-CHARGE
Govt. Rajkumar Dhiraj Singh College
Udaipur District - Surguja (C.G.)

(After completion of the course students will be able to :)

1. Understand protein; primary, secondary, tertiary and quaternary structure.
2. Structure, classification and properties of carbohydrates.
3. Gain knowledge of Enzymes, Mechanism of Enzyme action, Enzyme kinetic, Enzyme inhibition.
4. Bacterial photosynthesis and chemosynthesis.
5. Plasma membrane and transport system, types of transport and diffusion system.

Practical paper: -

1. Preparation of solid/liquid culture media.
2. Isolation of single colonies on solid media.
3. Enumeration of bacterial numbers by serial dilution and plating.
4. Simple and differential staining.
5. Assay of the activities of amylases.
6. General and specific qualitative test for carbohydrate.
7. Estimation of protein.

B.SC. PART – II

Paper – I molecular biology and genetic engineering

(After successfully completing this course, students will be able to:)

1. Define the basic term in genetics.
2. Explain the concept of mutation.
3. Understand DNA repair mechanism.
4. Basic concept of genetic engineering, DNA modifying Enzyme and screening technique.
5. Understand basic concepts of gene, operon.
6. Understand central dogma of protein synthesis.

Paper – II Bioinstrumentation and Biostatistics

(After successfully completing this course, students will be able to:)

1. Understand about microscope and centrifugation.
2. Understand about pH meter and chromatography.
3. Understand about spectrophotometer and electrophoresis.
4. Understand the application of biostatistics, measure of central tendency-mean, median, mode, measure of dispersal-standard deviation, standard error.



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. R.D.S. College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Practical paper: -

1. Determination of antibiotic resistance by planting method.
2. Assaying of microbial Enzymes.
3. Exercise on paper, thin layer, column chromatography.
4. Exercise on paper and gel electrophoresis.
5. Determination of pH of various water and soil sample.
6. Isolation of resistant bacteria from soil and water sample.

B.SC. PART – III

Paper – I medical microbiology and immunology

(After completing this course, students will be able to:)

1. Understand air borne diseases: types, symptoms, treatment and prevention.
2. Concept and cause of water borne diseases; types, hepatitis, dysentery, symptoms, treatment and prevention.
3. Understand about clinical diseases: symptoms, treatment and prevention.
4. They will understand the basic concept of immunity.
5. Methods based on Ag-Ab interaction precipitation, agglutination, ELISA, RIA, immune- electrophoresis, PCR based diagnosis method for infectious diseases.

Paper – II Environmental, Industrial and Agricultural Microbiology

(After completing this course, students will be able to:)

1. Basic knowledge of microbes in atmosphere, source of microorganism in air, droplet nuclei, infectious dust, and bio-aerosol factors affecting microbial survival in the air.
2. Basic concept, water zonation, eutrophication, microbial community in natural water and determining the quality of water.
3. Gain knowledge of soil as an environmental culture medium, microbes of soil. Brief account of microbial industries.
4. Introduction and brief history, scope, important microbes in various industries.
5. Understand fermentation, important products, and mushroom cultivation.
6. Gain knowledge of agricultural microbiology, microbes and their interaction, biogeochemical cycle, soil microbiology, biofertilizers.

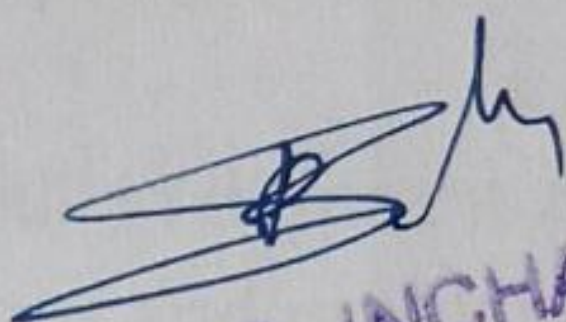
Practical paper



I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. RUS College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

1. Isolation of bacteria from air and soil (crop field).
2. Isolation of fungi from air and soil.
3. Microbial assessment of potable water.
4. Determination of quality of milk by MBRT.
5. Isolation of Rhizobium from root nodules.
6. Determination of BO, COD and dissolved oxygen.
7. Relationship between OD and CFU measurements.
8. Measurement of fungal growth by dry weight and wet weight.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. F2S College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

Commerce

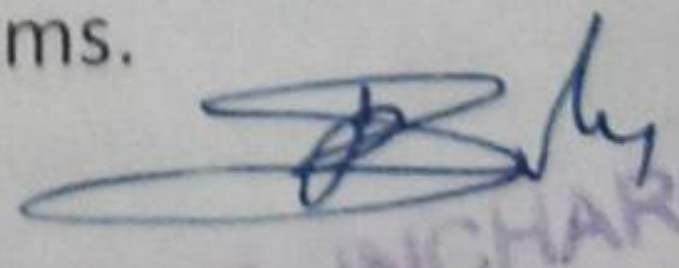
Program specific outcomes -

- The students can get the knowledge, skills and attitudes during the end of the B.com degree course.
- By goodness of the preparation they can turn into a Manager, Accountant, Management Accountant, cost Accountant, Bank Manager, Auditor, Company Secretary, Teacher, Professor, Stock Agents, Government employments and so on.
- Students will prove themselves in different professional exams like C.A., CS, CMA, TSPSC, UPSC.
- The students will acquire the knowledge, skill in different areas of communication, decision making, innovations and problem solving in day to day business activities.
- Students will gain thorough systematic and subject skills within various disciplines of finance, auditing and taxation, accounting, management, communication, computer.
- Students can also get the practical skills to work as accountant, audit assistant, tax consultant, and computer operator. As well as other financial supporting services.
- Students will learn relevant Advanced accounting career skills, applying both quantitative and qualitative knowledge to their future careers in business.
- Students will be able to do their higher education and can make research in the field of finance and commerce.

Course outcomes -

- Students will be able to acquire conceptual knowledge of basics of accounting and preparation of final accounts of sole trader
- Students will be able to acquire the knowledge of application of economic principles and tools in business practices.
- To arouse the students interest by showing the relevance and use of various economic theories.
- To apply economic reasoning to solve business problems.




I.Q.A.C. INCHARGE
Govt College
Udaipur Distt.-Surguja(C.G.)

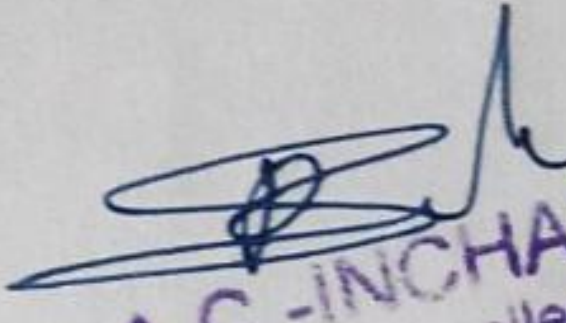
- Students will be able to acquaint the students with the basics of Commerce and Business concepts and functions and forms of Business Organization
- To enable the students to learn the basic concepts of Partnership Accounting, and allied aspects of accounting.
- The student will get thorough knowledge on the accounting practice prevailing in partnership firms and other allied aspects.
- To find out the technical expertise in maintaining the books of accounts.
- To encourage the students about maintaining the books of accounts for further reference.
- It will impart conceptual and practical knowledge of managerial economics.
- To aware students about Gross National Product (GNP), Net National Product (NNP) ,Income at Factor cost or National Income at Factor Prices ,Per Capita Income , Personal Income (PI) ,Disposable Income etc.
- To Study the relationship among broad aggregates
- Students will be able to familiarize the students with the basic principles of management.
- To understand the concept & functions and importance of management and its application.
- To make the student understand principles, functions and different management theories. Students will be able to gain the knowledge of Indian and foreign trade policies and international institutions.
- To acquire accounting knowledge of partnership firms and joint stock companies.
- To provide the knowledge of various accounting concepts.
- To impart the knowledge about accounting methods, procedures and techniques.
- To inculcate analytical and computational ability among the students.
- To acquire the conceptual and legal knowledge about Income Tax provisions relating to computation of Income from different heads with reference to an Individual Assesse.
- Students will be versed in the fundamental concepts of Auditing and different aspects of tax. Students can understand Income Tax system properly, and can get the knowledge of different tax provisions.
- To acquire the knowledge of AS -14 and preparation of accounts of banking and insurance companies.
- This course aims to enlighten the students on the accounting procedures followed by the Companies.
- Student's skills about accounting standards will be developed.



[Signature]
I.Q.A.C.-INCHARGE
 Govt. College
 Udaipur Dist. Sarguja(C.G.)

- To make aware the students about the valuation of shares.
- To impart knowledge about holding company accounts, amalgamation, absorption and reconstruction of company.
- Students will be versed in the fundamental concepts of Auditing To give knowledge about preparation of Audit report.




I.Q.A.C.-INCHARGE
Govt. College
Udaipur Dist. Surguja(C.Q.)